पद्माभरण ।

अर्थात्

कवि पद्माकरकृत

अलङ्कार का अपूर्व ग्रन्थ

जिसे

यन्त्राधीश बाबू रामकृष्णवर्म्मा ने

कवितारस के प्रेमियों के लिये एक प्राचीन प्रति
से अत्यन्त शुद्धतापूर्वक शोध कर
प्रकाशित किया ।

काशी ।

भारतजीवन यन्त्रालय में मुद्रित हुआ।

सन् १९०० ई० ।

प्रथमबार १०००] [मूल्य ।)